VIPs. Further, periodic meetings are held with the concerned agencies for taking additional measures for strengthening their security arrangements.

Intelligence inputs received from various sources are shared with State Governments and concerned agencies to ensure timely and coordinated action to neutralise the activities of groups planning to target political leaders.

ISI Activities in Southern States

$*51. SHRI YADLAPATI VENKAT RAO:
DR. Y. LAKSHMI PRASAD:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether ISI has stepped up activities in the Southern States, as reported by the Chief of Staff of Southern Army Command;

(b) if so, the steps taken to counter the activities of ISI; and

(c) the steps taken to strengthen the coastal surveillance?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI L. K. ADVANI): (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Government are aware of ISI activities in the country including in the Southern States. At a Civil Military Liaison Conference held at Chennai in September, 1998, the Chief of Staff, HQ Southern Command has highlighted the point of arrest of a Pak national and an ISI agent in June, 1998 and the subsequent unearthing of an ISI network at Hyderabad in July, 1998.

(b) Sustained operations are being carried out against terrorists and subversive elements to ensure that such designs are not allowed to succeed. Government have taken several steps which include sensitising and gearing-up the Intelligence machinery, sharing of intelligence and coordinated actions by concerned Central/State agencies, border fencing and intensification of border patrolling to prevent infiltration from across the borders, modernisation of police forces, increase in number of Nakas (check posts) as well as sensitising and alerting the State Governments regarding movements of Pak ISI agents, anti-national elements and insurgents etc.

Information relating to activities of enemy agents is being shared by the Army authorities with their civilian counterparts. All formation headquarters of the Army and also Army intelligence agencies have been asked to be extra vigilant so that timely action could be taken by various agencies to tackle the ISI problem.

(c) For exercising adequate surveillance on infiltration and other anti-national activities in Coastal areas, Joint Coastal Patrolling by Customs, Police and Navy is conducted. District level coordination meetings are also held every month to share intelligence and improve security measures. Further, additional battalions of BSF have been posted in Gujarat and patrolling in sea/land in Kutch area has been intensified.

Naval detachments have been set up along the coast of Tamil Nadu.

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: सभापति महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि अभी टाइम्स आफ इंडिया की दो हैडलाइन्स हैं—"ISI may attack Dwarkas' Somnath Temple" and "Security to go on high alert against ISI threat to temples."

यू॰एस॰ए॰ गवर्नमेंट ने भी हिन्दुस्तान में रहने वाले अपने नागरिकों से यह कहा है कि दक्षिण में 6 दिसंबर के बाद एक महीने चलने वाला जो ब्लिजक्रीग है, उसके अन्दर उनके, भारतीय नेताओं की हत्याएं करने के प्रयास किए जाएंगे, इसलिए उस दौरान सुरक्षा के लिए वे सावधान रहें, यह जो स्थिति पैदा हो रही है और जो कई जगह आर॰डी॰एक्स॰ बहुत अधिक मात्रा में बरामद हुआ

$ Question Nos. 42 and 51 were taken together.

है तो क्या इस आने वाले अगले एक माह में आई०एस०आई० की तरफ से भारत के अनेक नेताओं को कोई खतरा है? क्या इसके बारे में सरकार के पास कोई सूचना है? यदि है, तो उसके लिए क्या कदम सरकार उठा रही है?

श्री लाल कृष्ण आडवाणी: सभापति, जी, केन्द्रीय सरकार इन सब समाचारों को देखती भी रही है और इसके साथ-साथ उसे जितनी जानकारी प्राप्त हुई है, उसको ध्यान में रखकर सभी राज्य सरकारों से लगातार संपर्क में है कि वे सावधानी बरतें ताकि कोई ऐसी अप्रिय दुर्घटना न हो। पूरी सावधानी और सतर्कता रखने की दृष्टि से पत्र व्यवहार भी किया गया है और साथ ही साथ गृह सचिव सभी राज्यों के मुख्य सचिवों से संपर्क में हैं।

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा: आई०एस०आई० की जो गतिविधियां हैं, वह देशभर में बहुत तेजी से फैल रही हैं चारों दिशाओं में—चाहे वह नार्थ-ईस्ट हो, चाहे वह दक्षिण हो, चाहे पश्चिम हो और चाहे उत्तर हो और आई०एस०आई० की इन गतिविधियों के कारण अभी तक कश्मीर के अंदर ही कुल मिलाकर 21,000 से अधिक निर्दोष नागरिकों की हत्याएं हुई हैं और 5,000 जवानों को मारा गया है। यह जो प्रॉक्सी वार आई०एस०आई० की तरह से हिन्दुस्तान में चल रही है, उसके बारे में सरकार की तरफ से एक श्वेत-पत्र जारी करने की बात की गई है। मैं यह जानना चाहता हूं कि वह श्वेत-पत्र कब तक आएगा और क्या गृह मंत्री सारे देश को इस कांफिडेंस में लेंगे कि आई०एस०आई० की एक्टिविटीज़ के बारे में उनके क्या विचार हैं और उनके बारे में क्या कदम हम उठा रहे हैं?

श्री लाल कृष्ण आडवाणी: गृह मंत्रालय की सलाहकार समिति की दो महीने पहले एक बैठक हुई थी जिसमें कई माननीय सदस्यों ने यह इच्छा प्रकट की थी, क्योंकि उस अवसर पर आई०एस०आई० की गतिविधियों के बारे में एक स्पष्टीकरण किया गया था, और तब यह मांग की गई थी कि इस बारे में एक श्वेत-पत्र प्रकाशित किया जाए तो अच्छा होगा। वह श्वेत-पत्र इस समय तैयार हो रहा है और मैं आशा करता हूं कि संसद् के इस सत्र में संसद् के समक्ष वह रखा जा सकेगा।

SHRI YADLAPATI VENKAT RAO: Mr. Chairman, Sir, in Andhra Pradesh, six ISI agents have been arrested at Rajahmundry recently. I request the hon. Minister to take stringent steps. They are moving about in some parts of Andhra Pradesh. Some incidents took place in Hyderabad also recently. I request the hon. Minister to take stringent steps in this direction.

SHRI L.K. ADVANI: The Government of India received very many valuable intelligence inputs in regard to the ISI activities in Andhra Pradesh and on that basis, in cooperation with the State Government, was able to arrest several people involved in it. Our vigilance still continues. We hope, more and more modules set up by the ISI will be unearthed and smashed.

SHRI S.M. KRISHNA: Has it come to the notice of the Government, the Home Minister that of late, Karnataka has become a soft spot for ISI saboteurs; more particularly, the coastal districts of the State? If so, what does the Government propose to do about it?

SHRI L.K. ADVANI: It is true that ISI activities began first in the North-Western areas in Punjab and in Jammu and Kashmir, but gradually they have been spreading their tentacles in other parts of the country and the Government of India is watching carefully and, in co-operation with the State Governments, is trying to see that their activities are curbed, or, wherever they start, we are able to nip them in the bud. Such an approach is adopted in respesct of all the States including Karnataka.

श्री संजय निरूपम: सभापति महोदय, आई०एस०आई० की खतरनाक गतिविधियां पूरे हिन्दुस्तान में कई सालों से जारी हैं। आई०एस०आई० क्या कर रही है, हम जानते भी हैं और देख भी रहे हैं, मुम्बई में भी उसका नतीजा हमने देखा है। मैं माननीय गृह मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि आई०एस०आई० की गतिविधियों को रोकने के लिए क्या कंक्रीट एक्शन लिया जा रहा है? पिछले एक साल में आई०एस०आई० के कितने एजेंट गिरफ्तार हुए हैं? आई०बी० की रिपोर्ट यह है कि पिछले एक साल में आई०एस०आई० ने 20,000 की संख्या में हिन्दुस्तानियों को रिक्रूट किया है, हॉयर किया है। तो यह 20,000 हिन्दुस्तानी कौन हैं, किस समुदाय के हैं

और उनके खिलाफ होम मिनिस्ट्री ने, सरकार ने क्या एक्शन लिया है? उनमें से कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उनके खिलाफ कुछ केसिस रजिस्टर किए गए हैं, एग्ज़ेक्टली क्या हो रहा है आई०एस०आई० को काउंटर करने के लिए? अगर इस बारे में महोदय कुछ बताएं तो अच्छा रहेगा।

श्री लाल कृष्ण आडवाणी: मैं थोड़ा यह भी कहना चाहूंगा कि कहीं पर भी कोई आतंकवादी गतिविधि होती है, उसमें आई०एस०आई० का नाम लगाना जरूरी नहीं है, उचित नहीं है। और इसीलिए पहले मल्होत्रा जी के सवाल के उत्तर में मैंने अगर कहा कि ऐसे सात केसेज ध्यान में आए हैं, तो जहां पर हम निश्चित रूप से कह सकते हैं कि यह आई०एस०आई० की गतिविधि है चाहे इंटरोगेशन के द्वारा या और किसी प्रमाण के आधार पर वहां मैंने बात की है। आपका कहना सही है कि आई०एस०आई० अपना जाल फैलाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन यह बात भी सही है कि इस वर्ष में ऐसे 20 आई०एस०आई० के अड्डे हम खोज पाए और उनको ध्वस्त कर पाए, कई लोगों को गिरफ्तार कर पाए। ऐसे लोग थे जिन्होंने कई बम विस्फोट पिछले साल, डेढ़ साल में किए थे, ऐसे लोगों ने स्वीकृति की। अनेक के खिलाफ कार्रवाई चल रही है, मुकदमें चल रहे है।

श्री संजय निरूपम: जो बीस हजार आई०एस०आई० है अगर उनके बारे में बता सकें तो अच्छा होगा। यह बीस हजार लोग कौन है। आई०जी० ने अपनी रिपोर्ट में और इंडिया टुडे में बाकायदा प्रोड्यूज की गई है और कर्ट्सी होम मिनिस्ट्री लिखा गया है। इसका मतलब होम मिनिस्ट्री के पास यह इंफारमेशन है। यह कौन से लोग हैं, बताया जाना चाहिए।

श्री लाल कृष्ण आडवाणी: कम से कम होम मिनिस्ट्री और आई०जी० ने कभी 20 हजार की बात नहीं की।

श्री संजय निरूपम: 20 हजार के बारे में बताया जाना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: बस, बात खत्म हो गई, उन्होंने जबाव दे दिया।

श्रीमती कमला सिन्हा: धन्यवाद सभापति महोदय, आपने मुझे मौका दिया। सभापति महोदय, मैं गृह मंत्री जी से जानना चाहूंगी कि क्या गृह मंत्री को इसकी जानकारी है कि पूर्वांचल के प्रांतों—बिहार, उत्तर प्रदेश और नार्थ ईस्ट के स्टेट्स में खास तौर से मैं बिहार की बात करना चाहूंगी। नेपाल तराई होते हुए और आसाम लिंक की जो रोड है वह पतली सी सड़क जो आसाम को जोड़ती है, आसाम और पूर्वांचल के प्रांतों को जोड़ती है भारत से, इस इलाके में आई०एस०आई० की गतिविधियों में अत्यन्त वृद्धि हुई है और मैं चाहूंगी कि सरकार उस विषय में क्या कर रही है? बारम्बार इस संबंध में अखबारों में भी आता रहा है।

श्री लाल कृष्ण आडवाणी: माननीय सदस्या ने जो बात कही है और गृह मंत्रालय का पूरा ध्यान है और हम इस दृष्टि से नेपाल सरकार के भी सम्पर्क में हैं और नेपाल भारत की सीमा पर प्रदेश की सरकार से मिलकर के जितनी सतर्कता संभव है वह ले भी रहे है। आपकी बात सही है उस क्षेत्र में भी इन लोगों की गतिविधि काफी बढ़ी है।

SHRI R. MARGABANDU: The entire nation knows that the activities of the ISI in Coimbatore were aimed at the present Home Minister. I would like to know as to what steps have been taken by the Central Government to contain the ISI activities in Tamil Nadu.

SHRI L.K. ADVANI: In respect of the Coimbatore blast, several people have been arrested and a formal prosecution has been launched and a chargesheet has been filed in which the State Government, or, the prosecution has charged the accused with planning to disrupt life in Coimbatore, kill many people and target the then President of the BJP, meaning me. This is before a court of law and I hope the prosecution would be successful.

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Sir, I would like to put a specific question to the hon. Home Minister. Is it a fact that the ISI has stepped up its activities in the Southern States; and, what steps have been taken to curb these activities? I would also like to know whether any financial commitment has been made in the Southern Chief Ministers' Conference.

SHRI L.K. ADVANI: The Conference recently held in Hyderabad was not a Conference of the Southern Chief Ministers. It was a Conference of the Chief Ministers of the States which are afflicted with Naxalite activities. It is in that con-

text. But, it is certainly true that insofar as the ISI activities are concerned, we are in touch with all the States, all the four Southern States, and trying to see that a coordinated effort between the Centre and the States ensures that these heinous activities are stopped.

SHRI KHAGEN DAS: Hon. Chairman, Sir, the insurgent groups in the North-Eastern States are being aided and equipped with sophisticated arms by international agencies and the ISI of Pakistan. In the meantime, during the last few months, they have stepped up their activities. They are indulging in kidnappings, killings, abductions and extortions. They are growing. I want to know whether the hon. Home Minister—the hon. Defence Minister is also here—will extend necessary help to these States to contain the activities of the extremist groups which are being aided by the ISI and other groups?

My second point is, Our Chief Minister, i.e., the Chief Minister of Tripura, and MPs have met the hon. Prime Minister, the hon. Home Minister and the hon. Defence Minister. They had given an assurance that necessary help would be extended to the State Governments to contain these activities. But, so far, nothing has been done. I want to know when would the necessary help to contain the activities of the insurgent groups be extended? Sir, it is not a normal law and order problem. This relates to the integrity and unity of the country. So, I want an assurance from the hon. Home Minister and the hon. Defence Minister, who is here, as to when the necessary help, particularly, army and paramilitary forces which are required for Tripura, would be sent.

SHRI T.N. CHATURVEDI: Sir, on that subject there is a separate Question. It is Question No. 47...*(Interruptions)*)...

SHRI MD. SALIM: Sir, the supplementary is related to this Question.

SHRI KHAGEN DAS: Sir, my question is relating to the ISI activities. My supplementary relates to the original question.

SHRI L.K. ADVANI: I agree with the hon. Member that the violence some of the North-Eastern States are witnessing is not a deterioration of law and order. It is a threat to the integrity of the country. Therefore, it is not merely the responsibility of the State Governments alone, but it is also the responsibility of the Centre. Therefore, throughout these eight to nine months, I have been in constant touch with all the Chief Ministers. It happens that four States are worst-affected and the other four States are less-affected and that includes Tripura. We are constantly monitoring the situation and assisting the Governments in dealing with insurgency there. It is also true that the ISI has been assisting and even training some militants who are active in those regions. It is also true. Therefore, we are conscious of the requirements of the States. I would like to say that, within our available resources, we give them all necessary assistance.

Competition among ambitious Commanders in counter insurgency operations in J&K

*43. SHRI JANARDHANA POOJARY: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a news-item which appeared in The Hindustan Times, dated the 8th November, 1998, under the caption "Troops cracking due to commanders' one-upmanship" wherein it has been stated that intense competition among ambitious commanders in counter insurgency operations (CI) has drawn officers and jawans in Kashmir to suicide and insanity and some combat units have been on continuous CI operation for almost ten years; and